HVS/Lib/2 — 9/3/2K

HVLib
9/3/2K

हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

28 जुलाई, 1999

खण्ड 3, अंक 3

विषय-सूची

बुधवार 28 जुलाई, 1999

	पृष्ठ संख्या
नियम 15 के अधीन प्रस्ताव	(3)1
नियम 16 के अधीन प्रस्ताव	(3)1
अध्यक्ष का चुनाव	(3)2
बधाई भाषण	(3)3

मूल्य : 15/-

(2)

NVJlib
9/3/2K

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 28 जुलाई, 1999

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1 चण्डीगढ़ में 9.30 बजे हुई। कार्यकारी अध्यक्ष (श्री फकीर चन्द अग्रवाल) ने 9.30 बजे से 9.35 बजे तक तथा तत्पश्चात् अध्यक्ष (श्री अशोक कुमार अरोड़ा) ने अध्यक्षता की।

नियम 15 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Acting Speaker : Hon'ble Members, now the Chief Minister will move the motion under Rule 15.

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : कार्यकारी अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं—

> कि आज के लिए निश्चित की गई कार्य की मदों पर की कार्यवाही को आज की बैठक में अनिश्चित काल तक नियम "सभा की बैठकें" के उपबंधों से मुक्त किया जाए।

Mr. Acting Speaker : Motion moved—

> That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly', indefinitely.

Mr. Acting Speaker : Question is—

> That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly', indefinitely.

The motion was carried.

नियम 16 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Acting Speaker : Hon'ble Members, Now the Chief Minister will move the motion under Rule 16.

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : कार्यकारी अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं—

> कि सभा अपनी आज की बैठक से उठने पर अनिश्चित काल तक के लिए स्थगित रहेगी।

Mr. Acting Speaker : Motion moved—

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine-die.

Mr. Acting Speaker : Question is—

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine-die.

The motion was carried.

अध्यक्ष का चुनाव

Mr. Acting Speaker : Hon'ble Members, now we come to the election of the Speaker. Chief Minister will move the motion for election of the Speaker.

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : कार्यकारी अध्यक्ष महोदय, मैं सादर प्रस्ताव करता हूं—

कि हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री अशोक कुमार, जो सदन में उपस्थित हैं, सभा के अध्यक्ष के रूप में पीठासीन हों।

Mr. Acting Speaker : Motion moved—

That Shri Ashok Kumar, a Member of the Haryana Legislative Assembly, who is present in the House, do take the Chair as Speaker of the Assembly.

श्री राम बिलास शर्मा (महेन्द्रगढ़) : कार्यकारी अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने जो श्री अशोक कुमार के नाम का प्रस्ताव इस महान् सदन के अध्यक्ष पद के लिए रखा है, मैं उसका भारतीय जनता पार्टी और अपने सब साथियों की तरफ से अनुमोदन करता हूं।

श्री मनी राम गोदारा (भट्टूकलां) : कार्यकारी अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने जो श्री अशोक कुमार के नाम का प्रस्ताव इस सदन के अध्यक्ष पद के लिए रखा है, मैं भी उनके नाम का अनुमोदन करता हूं।

श्री कर्ण सिंह दलाल (पलवल) : कार्यकारी अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने जो श्री अशोक कुमार के नाम का प्रस्ताव इस सदन के अध्यक्ष पद के लिए प्रस्तावित किया है, मैं भी अपने दल की तरफ से इस प्रस्ताव का अनुमोदन करता हूं।

श्रीमती करतार देवी (कलानौर) : कार्यकारी अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता की तरफ से अध्यक्ष पद के लिए श्री अशोक कुमार अरोड़ा का जो नाम सुझाया गया है, मैं भी अपनी पार्टी की तरफ से उनका अनुमोदन करती हूं। (थम्पिंग)

श्री कैलाश चन्द्र शर्मा (नारनौल) : कार्यकारी अध्यक्ष महोदय, श्री अशोक कुमार अरोड़ा जी का जो नाम श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने अध्यक्ष पद के लिए सुझाया है, मैं भी सभी निर्दलीय साथियों की तरफ से उसका समर्थन करता हूं।

श्री देवराज दीवान (सोनीपत) : कार्यकारी अध्यक्ष महोदय, मैं भी श्री अशोक कुमार के नाम का अध्यक्ष पद के लिए अनुमोदन करता हूं। मुझे खुशी है कि श्री ओम प्रकाश चौटाला ने इस महान सदन में श्री अशोक कुमार अरोड़ा का नाम अध्यक्ष पद के लिए सुझाया है, मैं भी उनका समर्थन करता हूं।

Mr. Acting Speaker : Is there any other proposal ?

Voices : No.

Mr. Acting Speaker : Since there is no other proposal, I declare Shri Ashok Kumar, M.L.A. duly elected as Speaker unanimously (Thumping). I call upon him to take the Chair.

(At this stage, Shri Ashok Kumar, escorted by the Chief Minister (Shri Om Parkash Chautala), Shri Sampat Singh, Shri Ram Bilas Sharma, Smt. Kartar Devi, Shri Dev Raj Dewan and Shri Mani Ram Godara occupied the Chair).

बधाई भाषण

मुख्य मन्त्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अब मेरे सामने एक दिक्कत आ रही है कि मैं श्री अशोक कुमार गाबा को नव निर्वाचित अध्यक्ष कहूं या यूनानिमसली इलैक्टिड कहूं। (शोर) सर्वसम्मति से चुने गए हरियाणा विधान सभा के अध्यक्ष महोदय श्री अशोक कुमार अरोड़ा जी मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है।

श्री बीरेन्द्र सिंह : पहले आप अशोक कुमार का नाम ठीक लीजिए, ये गाबा नहीं अरोड़ा है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : बीरेन्द्र सिंह जी, मैंने गलत नहीं कहा है, आपने गलत सुना है। मैंने बोलने में कोई कमी की होगी तो मैं उसको ठीक कर लूंगा। गाबा तो इनकी ससुराल वाले हैं। मुझे पूरे सदन के सभी सम्मानित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए बड़ी प्रसन्नता हो रही है और हरियाणा प्रदेश में प्रजातांत्रिक प्रणाली को बरकरार रखने का हमने जो निर्णय लिया था, उस पर हम खरे उतर रहे हैं। मुझे यकीन, विश्वास और भरोसा है कि श्री अशोक कुमार जी निष्पक्ष होकर इस सदन के सभी सम्मानित सदस्यों को बगैर किसी भेदभाव के, दलगत राजनीति से ऊपर उठकर इस पद की गरिमा को बरकरार रखते हुए सब इन्हें सहयोग देंगे, सबका परामर्श मानेंगे, सब की इच्छाओं के अनुसार निर्णय लेंगे और प्रदेश के अंदर एक नई परम्परा को कायम करेंगे ताकि हरियाणा प्रदेश का नाम भारत के मानचित्र में सर्वोपरि हो। मैं इस सदन के सभी माननीय सदस्यों का हार्दिक आभार प्रकट करता हूं कि इन्होंने अध्यक्ष को सर्व-सम्मति से चुना। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि इस सदन के सभी माननीय सदस्य आपको पूरा सहयोग देंगे, आपके रास्ते में किसी भी तरह की दिक्कत पेश नहीं करेंगे और आपकी मुश्किलों को हल करने में आपका पूरा-पूरा साथ देंगे।

श्री मनीराम गोदारा (भट्टूकलां) : अध्यक्ष महोदय, आज बड़ी खुशी का दिन है कि हरियाणा के अंदर एक पंजाबी भाई अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठा है। जबकि पहले मेरे सत्ता पक्ष के भाई पंजाबी समुदाय के बारे में बहुत कुछ कहते थे कि यह तो पंजाबी समुदाय है, यह फलाना समुदाय है लेकिन आज इन्होंने एक पंजाबी भाई को अध्यक्ष बनाकर बहुत ही अच्छा काम किया है। अध्यक्ष महोदय, मेरे सत्ता पक्ष के भाईयों ने पहले हरियाणा के अंदर जात-पात और मजहब के नाम पर राजनीति करनी चाही थी लेकिन आज इन्होंने उन सभी बातों से ऊपर उठकर हरियाणा को नई दिशा दी है। मैं, सत्ता पक्ष के भाईयों

[मनीराम गोदारा]
से चाहूंगा कि वे आगे भी जात-पात और मजहब के नाम पर कार्य न करके पूरे हरियाणा प्रदेश को एक नजरिये से देखें। जब हरियाणा प्रदेश बना था, उस वक्त इसी भावना के साथ बना था कि हरियाणा प्रदेश सभी को एक नजरिये से देखेगा, किसी के साथ भी जातिवाद के आधार पर भेदभाव नहीं होगा। यही कारण है कि हर भाई ने हरियाणा प्रदेश को बनाने में अपना पूरा-पूरा सहयोग दिया। अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे आशा करता हूं कि आप आज जिस कुर्सी पर बैठे हैं उसकी गरिमा को बनाये रखेंगे और अपना कार्य निष्पक्ष आधार पर करेंगे और सदन का जो कोड आफ कंडेक्ट है उसको भी आप बनाये रखेंगे। अध्यक्ष महोदय, मुझे पूर्ण आशा है कि आप जिस कुर्सी पर बैठे हैं उसके मान को और हरियाणा प्रदेश के मान को बढ़ायेंगे। मैं आपको अपनी पार्टी की तरफ से पूरा विश्वास दिलाता हूं कि हमारी पार्टी आपको पूरा सहयोग देगी।

श्री कर्ण सिंह दलाल (पलवल) : अध्यक्ष महोदय, आप का यह दिन यकीनन तौर पर इस महान सदन के लिये एक बहुत बड़ा ऐतिहासिक दिन है। आज आप जिस पद पर सुशोभित हुए हैं उसके लिये हम सभी सदन के माननीय साथी आपको मुबारकवाद देते हैं। अध्यक्ष महोदय, आप अच्छी तरह से जानते हैं कि सदन के अन्दर समय-समय पर किस तरह का माहौल बनता है। हम इस बात को भी जानते हैं कि अध्यक्ष महोदय के पद पर बैठकर के कई ऐसे निर्णय लेने पड़ सकते हैं जिन निर्णयों को लेने से किसी माननीय सदस्य को या किसी दल को समय-समय पर थोड़ी बहुत तकलीफ हो सकती है लेकिन सर, हमारा यह विश्वास है कि इस पद की जो गरिमा है उसको आप बनाए रखेंगे। पिछले कई सालों में हमने आपका रवैया देखा है और बात करने का तरीका तथा अपने साथियों को विश्वास में लेने का तरीका देखा है। अध्यक्ष महोदय, आपके अन्दर जो एक आत्म विश्वास देखा है उसकी हम प्रशंसा करते हैं और परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि भगवान आपको इस पद को संभालने की शक्ति दे तथा इस पद की गरिमा बनाए रखने में आपका हर तरीके से प्रयास जारी रहे। अध्यक्ष महोदय, मुझे इस पद पर सभापति की हैसियत से कल बैठने का मौका मिला और मुझे ऐसा आभास हुआ कि इस कुर्सी के अन्दर ऐसा कुछ करंट है। सर, मैं समझता हूं कि इस पद का दायित्व किसी कक्षा के अन्दर बैठे हुए एक अध्यापक के दायित्व के समान है कि किस तरह से एक अध्यापक कक्षा को सुचारू रूप से चलाने के लिये शरारती बच्चों को धमकाता है और उन्हें अपने तरीके से कंट्रोल करने की कोशिश करता है। अध्यक्ष महोदय, जब आप अपने पद पर बैठे होंगे तो कई माननीय सदस्यों की कुछ कटुता का सामना भी आपको करना पड़ सकता है। मुझे उम्मीद है कि सभी माननीय साथी संवैधानिक जिम्मेवारी को जानते हैं और सभी आपको पूरा सहयोग देंगे। सर, एक दफा वर्ष 1986 में, मैं इंग्लैंड गया था। सर हमने वहां हाऊस औफ कॉमन्ज में देखा कि वहां सभी दलों के माननीय सदस्य बैठे हुये थे और अध्यक्ष महोदय वहां पर अपने पद पर आसीन थे। सर, मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं होता कि यह जो प्रजातांत्रिक प्रणाली है, वह सारी दुनिया में इंग्लैंड से आई और उन लोगों का जो रवैया या ट्रेडिशंज हैं, वह बहुत ज्यादा हैं और वहां के लोग उनमें पूरा विश्वास रखते हैं। वहां पर कोई लिखित संविधान नहीं है। वहां पर जितने भी माननीय सदस्य हैं, वे अध्यक्ष महोदय के प्रति पूरी आस्था और निष्ठा रखते हैं। आज के ऐतिहासिक दिन में आपने यह पद संभाला है और मैं उम्मीद करता हूं कि सभी माननीय साथी पुरानी कटुताओं को भुलाकर और पुराने असूलों को भूल कर दलगत राजनीति से ऊपर उठकर आपके प्रति सम्मान रखेंगे और आप इस सदन की तमाम कार्यवाही को संवैधानिक ढंग से और सही तरीके से चला पाएंगे। ऐसा मेरा विश्वास है और प्रभु से कामना है। मैं अपने दल की तरफ से आपको विश्वास दिलाता हूं कि आपके आदेशों की पालना करेंगे और सदन की गरिमा बनाए रखने में आपका हर प्रकार से सहयोग करेंगे।

श्री बीरेन्द्र सिंह (उचाना कलां) : अध्यक्ष महोदय, आपकी सर्वसम्मति से अध्यक्ष बनने पर मैं अपने दल की तरफ से और अपनी तरफ से हार्दिक बधाई देता हूं। मैं यह बात कह सकता हूं कि हरियाणा प्रदेश में एक नए युग की शुरूआत हुई है। एक नई पीढ़ी ने बहुत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सम्भाली है। आज की पीढ़ी के बारे में यह कहा जाता है कि जब जिम्मेदारी की बात आती है तो आज की पीढ़ी अपनी परम्पराओं के अनुसार कभी कभी उस जिम्मेदारी पर खरी उतरने में कोताही करती है। मैं हरियाणा विधान सभा के इतिहास के कुछ पन्ने उल्ट कर यह कहना चाहूंगा कि आपने जो पद सम्भाला है यह बहुत ही महत्वपूर्ण पद है। हरियाणा प्रदेश के बहुत ही अनुभवी और जिनके बारे में यह कह सकते हैं कि आजादी की लड़ाई के स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी इसी पद पर विराजमान रह कर कुछ परम्पराओं को चलाया। श्रीमति शन्नो देवी हरियाणा विधान सभा की पहली अध्यक्ष थी। जिन लोगों ने आजादी की लड़ाई लड़ी उनमें उनका नाम था। उनके बाद राव बीरेन्द्र सिंह जी हरियाणा विधान सभा के अध्यक्ष बने। आपको पता होगा कि राव बीरेन्द्रसिंह जो केन्द्र में मंत्री बने और वे केबिनेट में सबसे अच्छे मंत्री कहलाने वाले मंत्री थे। उनके बाद श्री श्रीचन्द हरियाणा विधान सभा के अध्यक्ष बने। मुझे याद है श्री हरद्वारी लाल किसी की तारीफ नहीं किया करते थे उन्होंने भी श्री श्रीचन्द के बारे में कहा था He was a real specimen of human intelligence. These were the tributes paid, when he died on the Chair as a Speaker.

कर्नल राम सिंह ने भी इस पद को सम्भाला। उनका भी अपना एक स्थान था। ब्रिगेडियर रण सिंह ने भी इस पद को सम्भाला उनका भी अपना एक स्थान था। श्री सरूप सिंह ने भी इस पद को सम्भाला उनका भी अपना एक स्थान था, ये मन्त्री पुरानी पीढ़ी के थे। श्री बनारसी दास गुप्ता जी ने इस पद को सम्भाला जो बाद में मुख्य मंत्री के पद पर भी रहे। जो अध्यक्ष रहे हैं अगर हम उनकी तरफ निगाह डाल कर देंखे तो मैं समझता हूं आपकी जिम्मेदारी और ज्यादा महत्वपूर्ण बनती है। मैं पिछले २२ साल से इस सदन का सदस्य हूं। मुझे पता है कि इस सदन की कुछ परम्पराओं में गिरावट आई है। उस गिरावट का कारण हो सकता है 90 के 90 सदस्य हों लेकिन उसमें विधान सभा के अध्यक्षों की भूमिका अहम रही है। अध्यक्ष महोदय, आपको नई परम्पराएं स्थापित करनी पड़ेंगी। इस हाउस को और प्रजातान्त्रिक बनाने के लिए जो हमारी एग्जैक्टिव है उसके चंगुल से छुड़ाने के लिए हो सकता है चौटाला साहब ने एक राजनैतिक सूझबूझ से आपको यह अध्यक्ष पद दिया हो लेकिन एक तौर पर आप अब इनकी पार्टी के सदस्य नहीं हैं। परम्परा यह है कि अगर आप आज ही पार्टी से अपना त्यागपत्र दे दें तो अगले चुनाव में हम आपके खिलाफ कंडीडेट खड़ा नहीं करेंगे। लेकिन अगर आप अपनी पार्टी के सदस्य बने रहना चाहते हैं तो हमें यह महसूस होना चाहिए कि अब आप चौटाला साहब का वह हुक्म नहीं मानेंगे जो हुक्म ठीक नहीं लगता। आपकी जिम्मेदारी बहुत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। हरियाणा प्रदेश में पिछले 32 सालों में ऐसी परम्परा पड़ी है जिसके मैं दो उदाहरण दे कर यह बात कहना चाहूंगा कि पिछले से पिछले अधिवेशन में यह परम्परा चलाई गई कि हाउस प्रोरोग नहीं हुआ। बिना प्रोरोगेशन के गवर्नर साहब ने तीन आर्डीनेंस पर अपने दस्तखत कर दिए और हाउस को समन किया गया जबकि यह तरीका है कि हाउस प्रोरोगे होने के बाद हाउस समन होता है। हम बोलते रहे कि यह काम आप गैर कानूनी और असवैधानिक कर रहे हैं इसको आप ठीक करें। यह ऐसी चीज है जिसका हम एहसास नहीं करते लेकिन संविधान की जिस तरीके से अव्हेलना होती है, उससे प्रजातंत्र प्रणाली को ठेस पहुंचती है। इसी तरीके से कल यहां पर एक संवैधानिक मुद्दा उठाया गया था कि कौंसिल आफ मिनिस्टर अकेला चीफ मिनिस्टर नहीं होता। इस मुद्दे के बारे में चीफ मिनिस्टर ने अपने हिसाब से दलील दी। लेकिन यह बात तो सही है कि कौंसिल आफ मिनिस्टर अकेला चीफ मिनिस्टर नहीं हुआ करता। चीफ मिनिस्टर के साथ चाहे एक

[श्री बीरेन्द्र सिंह]

मंत्री भी हो तो वह कौंसिल आफ मिनिस्टर कहलाई जाती है। He is the first among the equals. That is only his qualification. लेकिन आजकल क्या होता है कि जो भी व्यक्ति मुख्यमंत्री बनने से पहले इधर बैठता है तो वह सत्ता के विकेन्द्रीकरण की बात करता है। सभी कहते हैं कि पंचायतों को अधिक अधिकार मिलें। हमारे नेता श्री राजीव गांधी जी ने पंचायतों को अधिक अधिकार देने की बात कही और उनको संवैधानिक ताकत देने की बात कही गई थी। मुझे इस बात का बड़ा दुःख है कि हम सभी विधायकों की यह एक टेनडेंसी बन जाती है कि हम अपने अधिकारों को कम नहीं होने देते। आज आप देखेंगे कि जिला परिषद, ब्लाक समिति व पंचायतों के पास कोई ताकत नहीं है। The power should percolate down to the last unit of the Panchayat System. सर, इन हालात में आपकी बड़ी जिम्मेदारी बन जाती है। हम आपसे अपने लिए बहुत उम्मीदें रखेंगे। हो सकता है कि ट्रेजरी बैंचिज को आपसे कोई शिकायत न हो लेकिन हमारी आपसे शिकायत हो सकती है, हम आपसे अपने हकों की रक्षा चाहेंगे। कई बार आपकी भी मजबूरी हो सकती है। जब हमारे अधिकार हनन होते नजर आएंगे तो हम आपसे प्रोटैक्शन चाहेंगे। ऐसी स्थिति में यदि हमें आपकी प्रोटैक्शन मिलेगी तो हम लोगों की बातों को जोरदार तरीके से हाउस में कह सकेंगे। आखिर में मैं एक बात कह कर अपनी बात समाप्त करता हूं। आप एक नई पीढ़ी के वर्ग से स्पीकर बने हैं। अब तक जितने भी स्पीकर बने हैं, उनमें आपकी उम्र सबसे कम है। उनकी बड़ी उम्र होने के कारण उनकी यह सोच होती थी कि हमने तो अब रिटायर हो जाना है। लेकिन यह सोच जो उनमें थी, वह आप पर लागू नहीं होती क्योंकि आप एक युवा वर्ग से हैं और अभी तो आपकी शुरुआत है। आप एक ऐसी बिरादरी से भी हैं जिसका राजनैतिक तौर पर हक बनता था। शायद इसी सूझबूझ के तहत मुख्यमंत्री जी ने आपके नाम का प्रस्ताव रखा, इसीलिए आपको यह मौका मिला। You should assert as a leader in your own area. यह जो इलाके हैं, अम्बाला, करनाल और कुरुक्षेत्र के, यदि कभी मौका चीफ मिनिस्टर का बनने का आये तो पीछे मत हट जाना। (हंसी) इन शब्दों के साथ मैं आपकी युवापीढ़ी को ध्यान में रखते हुए अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से पुनः बधाई देता हूं और आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री राम बिलास शर्मा (महेन्द्रगढ़) : अध्यक्ष महोदय मैं आपको इस पद के चुने जाने पर बधाई देता हूं और आपका अभिनन्दन करता हूं। मैं एक बधाई सभी साथियों और राजनीतिक दलों को देता हूं कि इतनी उठा-पटक के बाद भी अध्यक्ष का जो चुनाव हुआ, वह सर्वसम्मति से हुआ। इस के लिए 10.00 बजे मैं सदन के सभी माननीय साथियों को बधाई देता हूं। अध्यक्ष महोदय, आप ने दुनिया के ऐतिहासिक चुनाव क्षेत्र कुरुक्षेत्र में थानेसर को दूसरी बार रिप्रैजेंट किया है। थानेसर और कुरुक्षेत्र अपने आप में दुनिया के दिशाकेन्द्र रहे हैं। जब-जब भटकाव आता है तब तब कुरुक्षेत्र उसको एक दिशा देता है। आदरणीय मनी राम गोदारा जी ने ठीक कहा कि आप उस तबके से आये हैं जिसने बहुत पीड़ा झेली है। इस देश में 1947 में मां-भारती दो भागों में बंटी और उसने बहुत कटुता और पीड़ा झेली। उस समय सबसे अधिक पीड़ा उस वर्ग ने झेली जो तीन कपड़ों में अपना मान व अपना स्वाभिमान ले कर अपनी प्यारी मातृभूमि पर आये। वे भाई अपने परिश्रम से, अपने मनोबल से और अपनी देशभक्ति से यहां पर स्थापित हुए। चौधरी बीरेन्द्र सिंह ने अपने लहज़े में ओम प्रकाश चौटाला जी को कह तो दिया कि यह उनकी राजनैतिक सूझबूझ है परन्तु इन्हें तो इस बात की बधाई देनी चाहिए थी कि श्री अशोक कुमार जी इस सदन के अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। आज इनका पहला दिन है और हमने अपनी-अपनी तरह से उनको आश्वास्त किया है। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने कहा कि अपने क्षेत्र में आप अपने दम-खम से इस महान

सदन में आए। बहुत से लोग अध्यक्ष की कुर्सी को शोभायमान करते रहे हैं और कुछ लोगों ने विशेष रूप से अध्यक्ष के पद की गरिमा को बढ़ाया है जैसे आदरणीय शन्नो देवी जी का नाम लिया गया है, ब्रिगेडियर रणसिंह ने भी अध्यक्ष के पद की गरिमा को बढ़ाया। मेरा यह सौभाग्य है कि 1982 में मैं इस महान सदन का सदस्य रहा। जब आदमी पर जिम्मेदारी आती है तो आदमी अपने आचरण से एक लकीर छोड़ कर जाता है। हम जितने भी राजनीतिक प्रतिनिधित्व करने वाले लोग हैं, हमारी भी एक प्रतिष्ठा है जिससे हमारा आचरण बनता है। कुछ लोग यह समझते हैं कि हमारी कोई प्रतिष्ठा ही नहीं बनती है। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी के एक-एक निर्णय से यह बात साबित हो रही है कि वे सब को साथ ले कर चलने वाले हैं और सब को बराबर का सम्मान देने की बात की है, जो कि उन्होंने शपथ लेने के समय कही थी। उस बात पर इन्होंने अमल किया है। आज इन्होंने इण्डियन नैशनल लोक दल के भाई अशोक कुमार जी को अध्यक्ष पद के लिए चुना यह उसी कड़ी का एक और महत्वपूर्ण फैसला है। अध्यक्ष महोदय, मैं भारतीय जनता पार्टी की तरफ से आपको विश्वास दिलाता हूं कि भारतीय जनता पार्टी के लोगों का एक संस्कार है, भारतीय जनता पार्टी के लोगों का एक इतिहास है, हम उसी पर चलेंगे। अध्यक्ष के पद की गरिमा के सम्बन्ध में हमारी पार्टी की जो आचार संहिता है, हम उसका पूरा पालन करेंगे। एक तरफ तो कुछ लोग ऐसे संस्कारों को जन्म दे रहे थे कि वैल में आ जाते थे। चाहे किसी भी प्रकार की बात हुई हो, हमने अध्यक्ष के पद की गरिमा को बनाए रखा है। भाई कर्ण सिंह दलाल ने यूरोप के एक देश की चर्चा की और कहा कि अध्यक्ष का पद एक संस्था है। जब कोई आदमी अध्यक्ष के पद पर बैठता है तो वह व्यक्ति नहीं रह जाता है वह पूरे सदन का मिला जुला विश्वास बन जाता है, पूरे सदन का संरक्षक बन जाता है। भारतीय जनता पार्टी अपने संस्कार से आपको, सदन को चलाने में, सदन की गरिमा को बनाए रखने में पूरा सहयोग देगी, इस बारे में मैं आपको पूरा आश्वस्त करता हूं। अध्यक्ष महोदय, इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपको बधाई देता हूं और आपका अभिनन्दन करता हूं।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण आप लोगों ने जो आज इस गरिमामय पद पर मुझे चुना इसके लिए मैं आप सब साथियों का आभार प्रकट करता हूं। आप लोगों ने जो विश्वास मेरे प्रति प्रकट किया है इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि इस पद के कार्य को पूरे संवैधानिक तरीके से करने की कोशिश करूंगा। इस सदन में मेरे से सीनियर मैम्बर्ज बैठे हुए हैं और उनको काफी एक्सपिरियंस भी है। मैं उन सब से उम्मीद करूंगा कि वे हाऊस की कार्यवाही ठीक ढंग से चलाने के लिए मेरा साथ देंगे। इस पद पर चुने जाने से पहले मैं इण्डियन नैशनल लोकदल का जनरल सैक्रेटरी था। मैं उस पद से अभी इस्तीफा देता हूं। मैं आप सब लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि मैं आपके अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी कोशिश करूंगा। मैं एक बार फिर जिन्होंने मुझमें विश्वास प्रकट किया है धन्यवाद करता हूं।

Now, the House stands adjourned sine-die.

*10.07 hours (The Sabha was then *adjourned sine-die.)